



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 565]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 24, 2004/आषाढ़ 3, 1926

No. 565]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 24, 2004/ASADHA 3, 1926

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 जून, 2004

का.आ. 726(अ).—चूंकि, केन्द्र सरकार इस बात से संतुष्ट है कि ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हो गई हैं जिनके कारण जनहित में यह आवश्यक हो गया है कि तम्बाकू बोर्ड अधिनियम, 1975 (1975 का 4) की धारा 10 द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों में ढील दी जाए ;

और, चूंकि, केन्द्रीय सरकार यह उपयुक्त समझती है कि पंजीकृत उपजकर्ताओं के अधिक फलू क्योर्ड वर्जीनिया तम्बाकू (जिसे इसमें एफ सी वी तम्बाकू कहा गया है) तथा अपंजीकृत उपजकर्ताओं के एफ सी वी तम्बाकू की बिक्री आंध्र प्रदेश में तम्बाकू बोर्ड के निर्दिष्ट नीलामी मंचों पर की जाए ;

इसलिए, अब, तम्बाकू बोर्ड अधिनियम, 1975 (1975 का 4) की धारा 8 की उपधारा (2) के खंड (छ) के साथ पठित धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से शुरू होकर और 15 सितम्बर, 2004 तक समाप्त होने वाली अवधि के लिए आंध्र प्रदेश राज्य में उपर्युक्त अधिनियम की धारा 10 के प्रावधान के प्रवर्तन में ढील देती है और तम्बाकू बोर्ड द्वारा अधिकृत नीलामी मंचों पर पंजीकृत उपजकर्ताओं के अधिक एफ सी वी तम्बाकू तथा अपंजीकृत उपजकर्ताओं के एफ सी वी तम्बाकू की बिक्री की अनुमति देती है।

[फा. सं. 11/2/2004-ईपी (एग्री-VI)]

राहुल खुल्लर, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th June, 2004

S.O. 726(E).— Whereas the Central Government is satisfied that the circumstances have arisen rendering it necessary in the public interest, to relax the restrictions imposed by Section 10 of the Tobacco Board Act, 1975 (4 of 1975);

And, whereas, the Central Government considers it appropriate to dispose of the excess Flue Cured Virginia Tobacco (herein referred to as the FCV Tobacco) of the registered growers and FCV Tobacco of the unregistered growers at the designated auction platforms of the Tobacco Board in the State of Andhra Pradesh;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 30 read with clause (g) of sub-section (2) of section 8 of the Tobacco Board Act, 1975 (4 of 1975), the Central Government hereby relaxes the provision of Section 10 of the said Act in the State of Andhra Pradesh for the period commencing from the date of publication of this notification and ending up to 15th September, 2004 and permits the sale of excess FCV Tobacco of the registered growers and FCV Tobacco of the unregistered growers at the auction platforms authorised by the Tobacco Board.

[F. No. 11/2/2004-EP (Agri-VI).]

RAHUL KHULLAR, Jt. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 24 जून, 2004

का.आ. 727(अ).—चूँकि, तम्बाकू बोर्ड द्वारा केन्द्रीय सरकार को यह सूचित किया गया है कि आंध्र प्रदेश राज्य में कई पंजीकृत उपजकर्ताओं द्वारा अधिकृत मात्रा से अधिक फ्लू क्योर्ड वर्जीनिया (जिसे इसमें एफसीवी तम्बाकू कहा गया है) का उत्पादन किया गया है और अनेक अपंजीकृत उपजकर्ताओं द्वारा एफसीवी तम्बाकू की खेती की गयी है जिससे मांग और आपूर्ति की स्थिति में अंतर पैदा हो गया है;

और, चूँकि, केन्द्र सरकार इस बात से संतुष्ट है कि तम्बाकू बोर्ड को एफसीवी तम्बाकू की खरीद की अनुमति देने के लिए शीघ्रता से प्राधिकृत करने की आवश्यकता है और यह उचित समझा जाता है कि एफसीवी तम्बाकू के पंजीकृत उपजकर्ताओं और एफसीवी तम्बाकू से अपंजीकृत उपजकर्ताओं के फालतू एफसीवी तम्बाकू की आंध्र प्रदेश राज्य में तम्बाकू बोर्ड के निर्दिष्ट नीलामी मंचों पर बिक्री की जाए ;

इसलिए, अब, तम्बाकू बोर्ड अधिनियम, 1975 (1975 का 4) की धारा 8 की उपधारा (2) के खंड (छ) के साथ पठित धारा 20क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा तम्बाकू बोर्ड को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 15 सितम्बर, 2004 तक की अवधि के लिए यह प्राधिकार देती है कि वह आंध्र प्रदेश राज्य में पंजीकृत उपजकर्ताओं द्वारा उत्पादित अधिक एफसीवी तम्बाकू तथा अपंजीकृत उपजकर्ताओं द्वारा उत्पादित एफसीवी तम्बाकू की आंध्र प्रदेश में अपने नीलामी मंचों पर खरीद करने के लिए तम्बाकू बोर्ड के पंजीकृत व्यापारियों तथा डीलरों को इस शर्त के तहत अनुमति प्रदान कर सकेगा कि अधिक तथा अनधिकृत तम्बाकू के लिए प्रत्येक पंजीकृत तथा अपंजीकृत उपजकर्ताओं द्वारा क्रमशः अतिरिक्त शुल्क के रूप में 1.50 रुपये प्रति कि.ग्रा. और सेवा प्रभार के रूप में बिक्री आय के 1 प्रतिशत का अंशदान तम्बाकू निधि में किया जाएगा।

[फा. सं. 11/2/2004-ईपी (एग्री-VI)]

राहुल खुल्लर, संयुक्त सचिव

ORDER

New Delhi, the 24th June, 2004

S.O. 727(E).— Whereas, the Central Government has been informed by the Tobacco Board that number of registered growers in the State of Andhra Pradesh have produced Flue Cured Virginia Tobacco (herein referred to as the FCV Tobacco) in excess of the authorized quantity and a large number of unregistered growers have resorted to FCV Tobacco cultivation in the State of Andhra Pradesh causing a mismatch between the demand and supply position;

And, whereas, the Central Government is satisfied that it is necessary and expedient to authorize the Tobacco Board to allow the purchase of FCV Tobacco and considers it appropriate to dispose of the excess FCV Tobacco of the registered growers and the FCV Tobacco of the unregistered growers at the designated auction platforms of the Tobacco Board in the State of Andhra Pradesh;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 20A read with clause (g) of Sub-section (2) of section 8 of the Tobacco Board Act, 1975 (4 of 1975), the Central Government hereby authorizes the Tobacco Board to admit, from the date of publication of this notification and up to 15th September, 2004, the registered traders and dealers of the Tobacco Board to purchase, at its auction platforms in the State of Andhra Pradesh, the excess FCV Tobacco produced by the registered growers and the FCV Tobacco produced by unregistered growers in the State of Andhra Pradesh subject to the condition that Rs. 1.50 per kg. as an extra fee and 1% of the proceeds of the sale as service charges shall be contributed to the Tobacco Fund by every registered grower for the excess FCV Tobacco and unregistered grower for the FCV Tobacco, produced by them.

[F. No. 11/2/2004-EP (Agri-VI)]

RAHUL KHULLAR, Jt. Secy.